रंगमहल दुसरी भोम

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

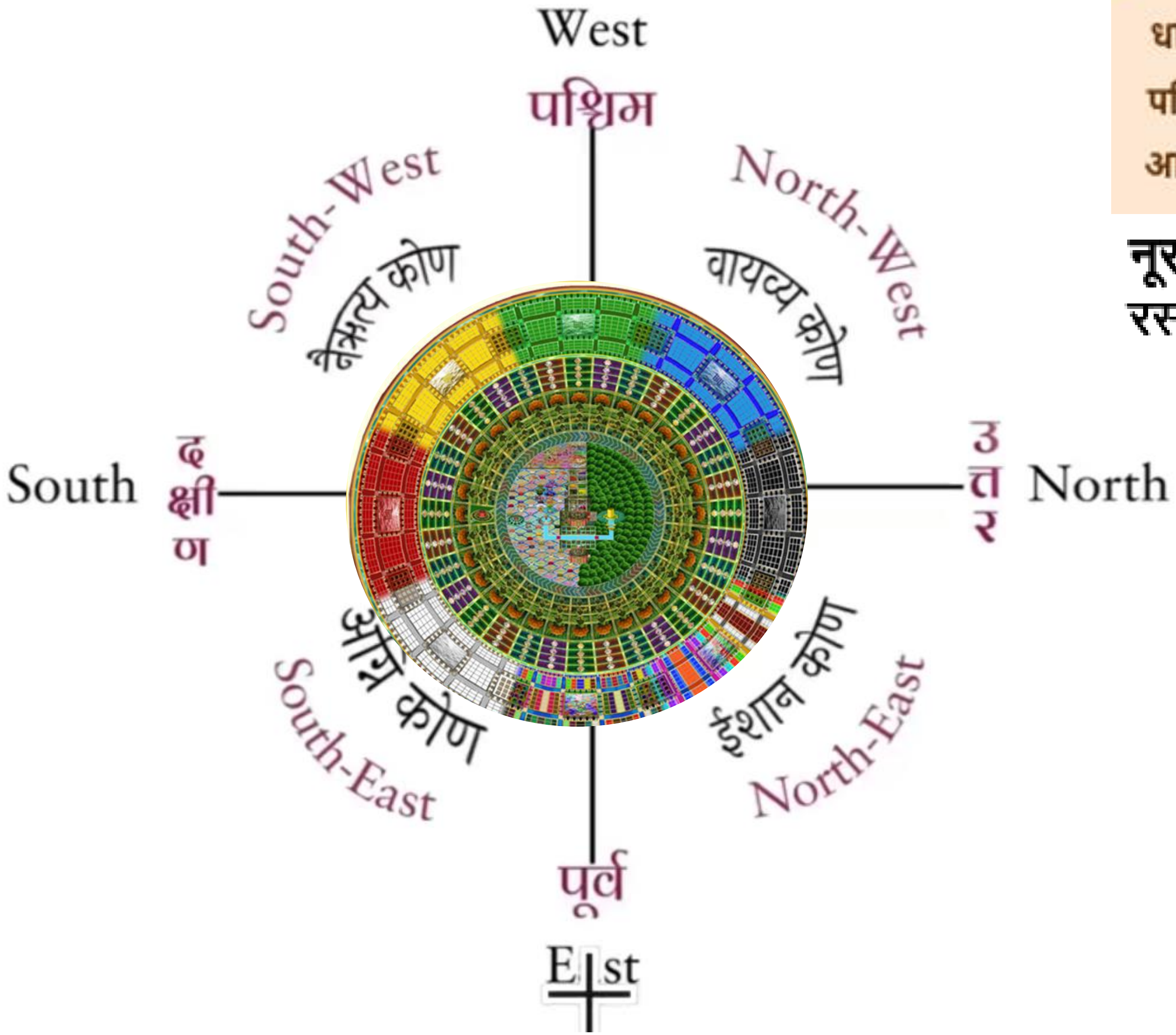

धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के।।

नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ।।

दूसरी भोम की भुलवनी

चौदह लोकों के संसार में मनुष्य चार स्तर की बंदगी (भक्ति) करते हैं - कर्मकाण्ड-सकाम भक्ति (शरीयत), उपासना-निष्काम भक्ति (तरीकत), सत्य ज्ञान (हकीकत) और प्रेम विज्ञान (मारिफत) । प्रेम का मार्ग सभी बंदगियों में सर्वोपरि है। किंतु इस की पहचान सभी धर्मग्रंथों ने गुप्त रखी थी। सामान्य जीव कर्मकाण्ड की राह अपनाते हुए पाप–पुण्य के बंधनों में बंधे रहते हैं और आवागमन के चक्र में फंसे रहते हैं।उनमें से कई लोग उपासना की राह अपना कर वैकुण्ठ में चार प्रकार की मुक्ति प्राप्त करते हैं। सत्य ज्ञान (हकीकत) का द्वार, जो कि अब तक सामान्य जीवों के लिये नहीं खुला था, सद्‌गुरू श्री श्यामा जी की कृपा से आखिरत की इस पवित्र बेला में खुल गया है, जिनसे रूहें परमधाम की गलियों में विहार करते हुए इश्क रूपी मदिरा का पान करती हैं। इस प्रकरण में रंगमहल की दूसरी भोम में स्थित भुलवनी के मंदिरों की अलौकिक शोभा का वर्णन हुआ है।

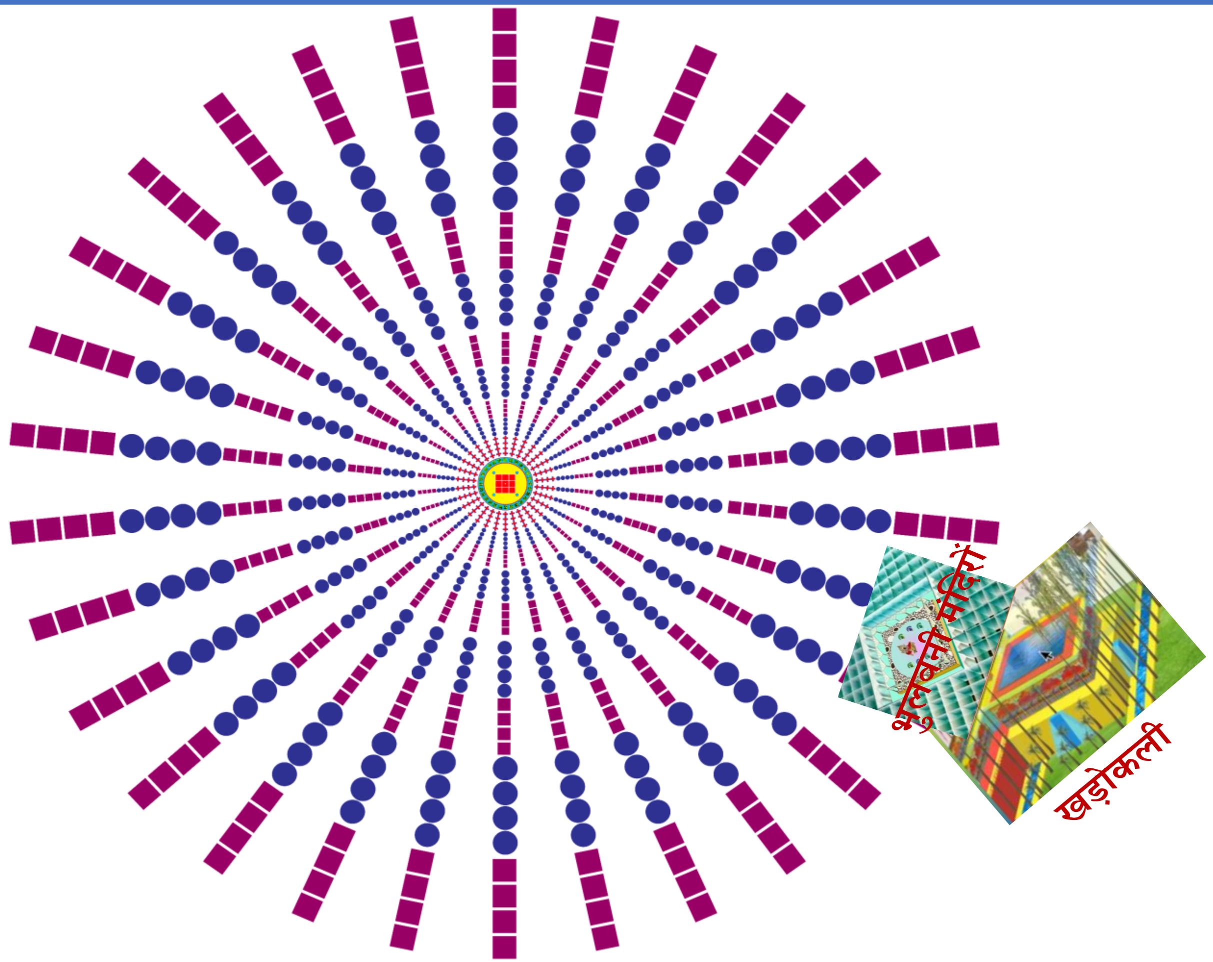

2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा

रंगमहल दुसरी भोम

- 2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा
- भुलवनी मंदिरों
- खड़ोकली

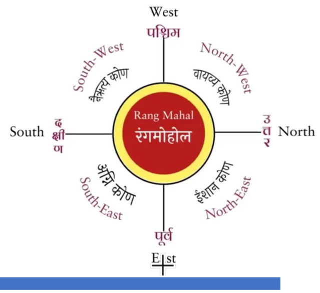

रंगमहल दुसरी भोम - 2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

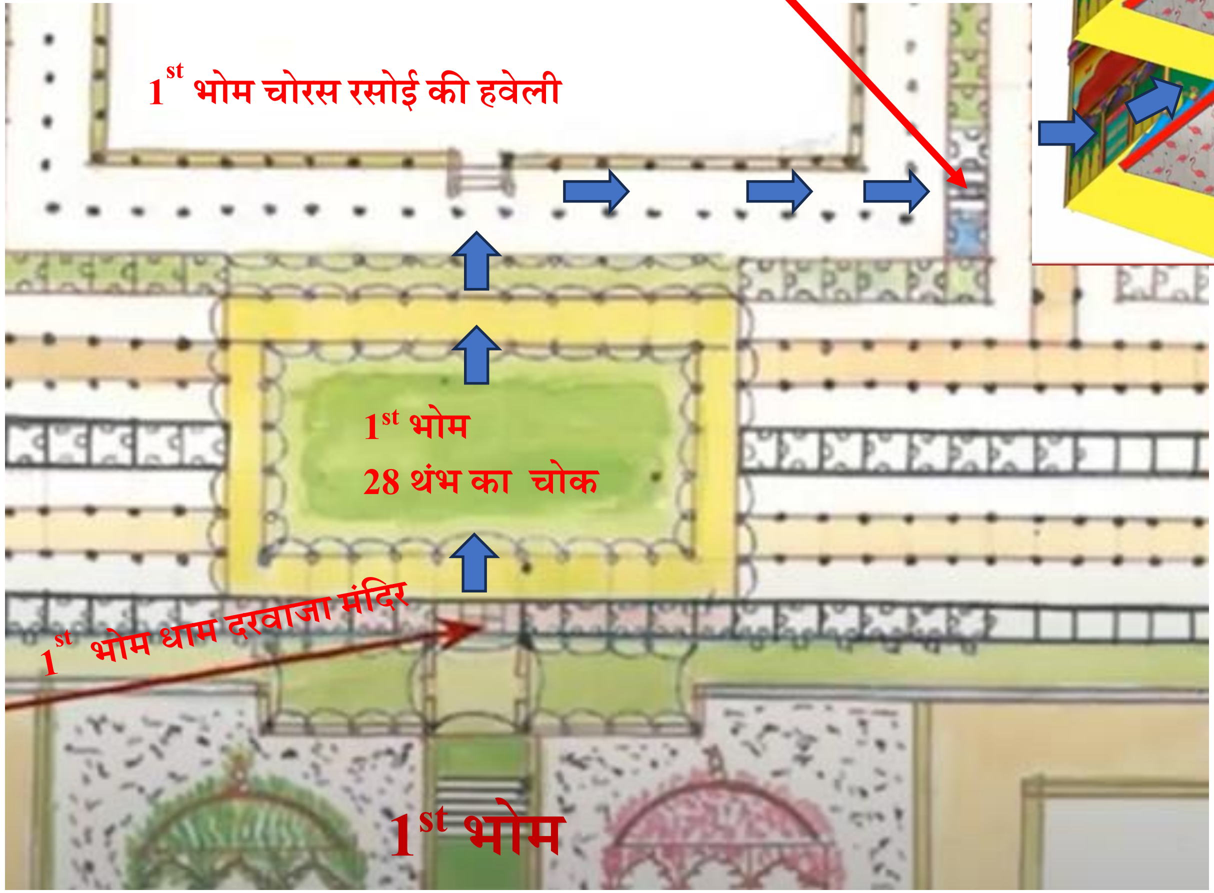

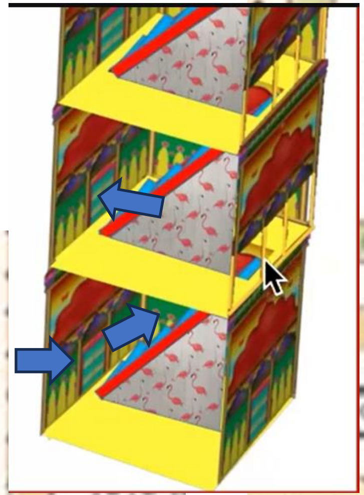

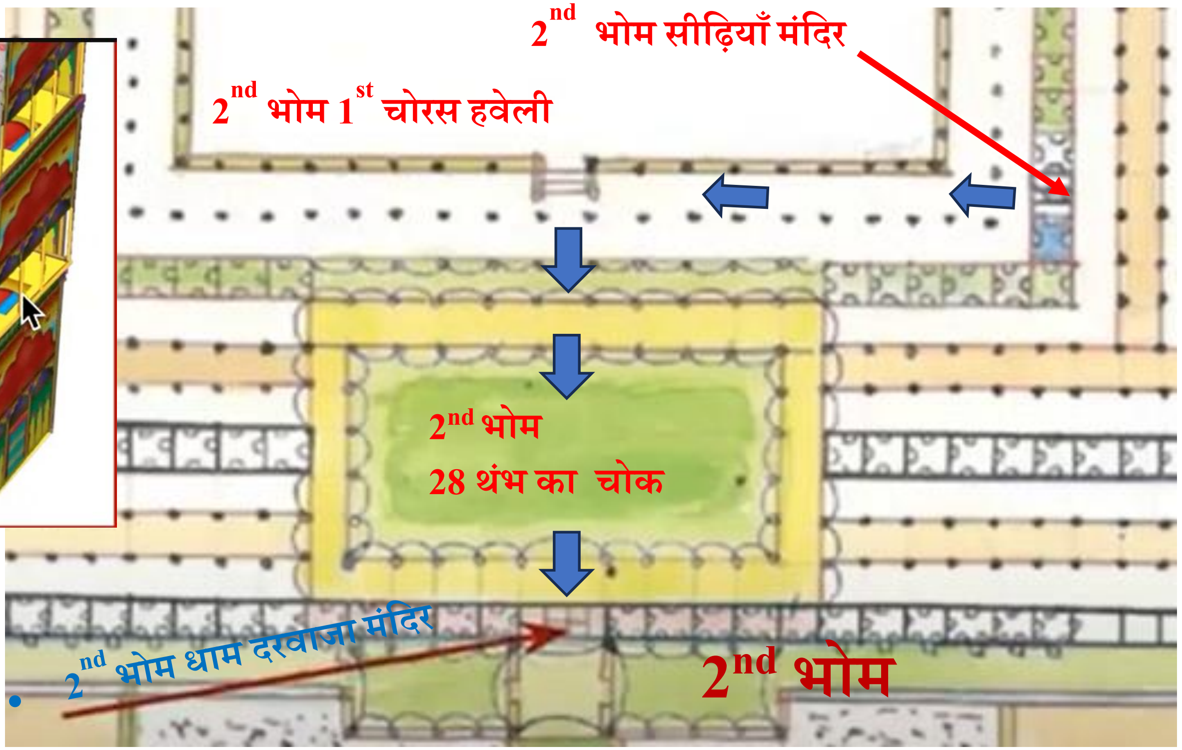

2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर

रंगमहल दुसरी भोम - 2nd भोम धाम दरवाजा मंदिर का झरोखा

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

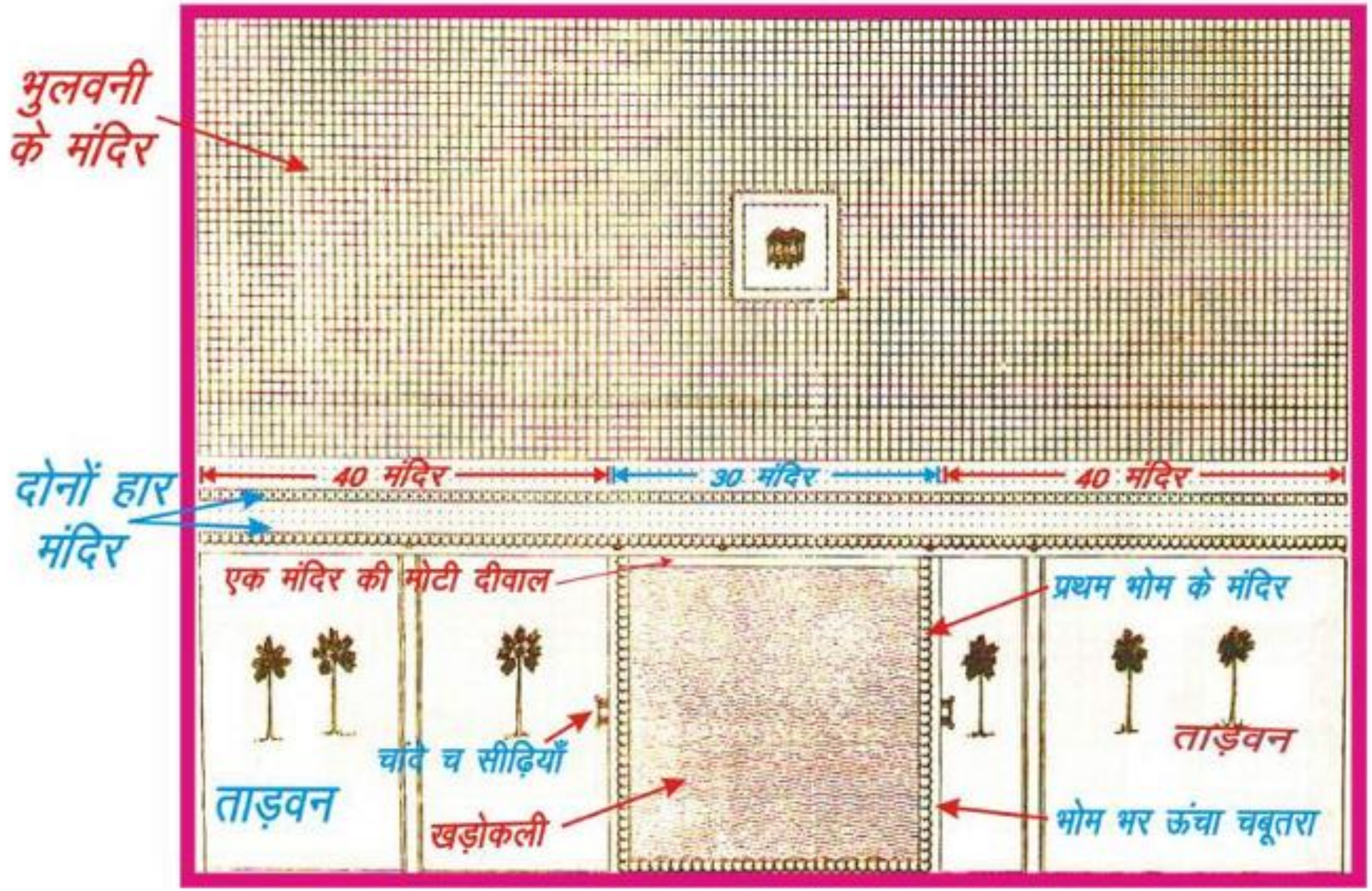

भुलवनी मंदिर Area	110 x 110 मंदिर
भुलवनी मंदिर चबूतरा Area	10 x 10 मंदिर 8 x 8 मंदिर चबूतरा 1 मंदिर रोंस
भुलवनी मंदिर	12000
खड़ोकली Area	30 x 30 मंदिर

अब कहूं भोम दूसरी, मंदिर भुलवनी बारे हज़ार ।
एक सौ दस मंदिर की, एक सौ दस हर हार ।।३७।।

चारों तरफ बराबर, एक सौ दस दस की हार ।
ता के एक सौ उपर, भई जमा बारे हज़ार ।।३८।।

तामे सौ मंदिर का चौक जो, सब हार मंदिर दरम्यान ।
चौसठ मंदिर जागा चबूतरा, छत्तीस परदखिना पेहेचान ।।३९।।

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

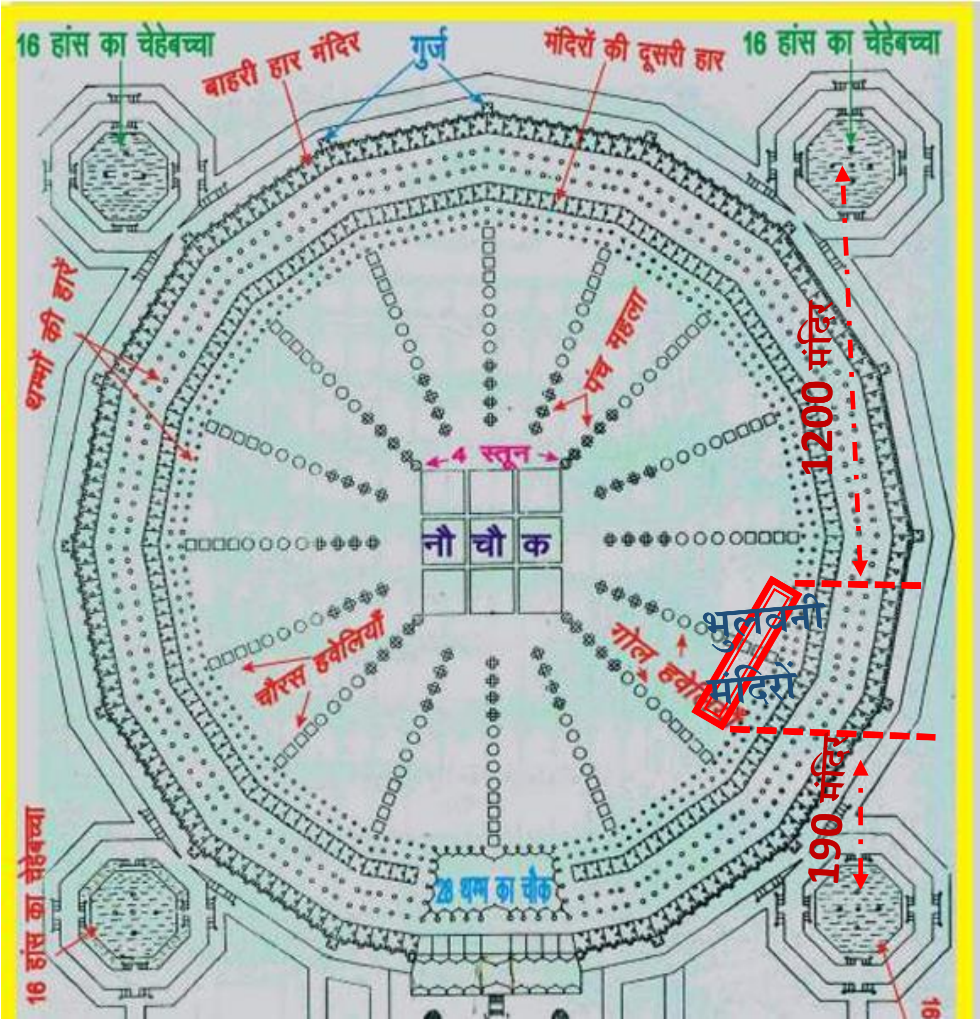

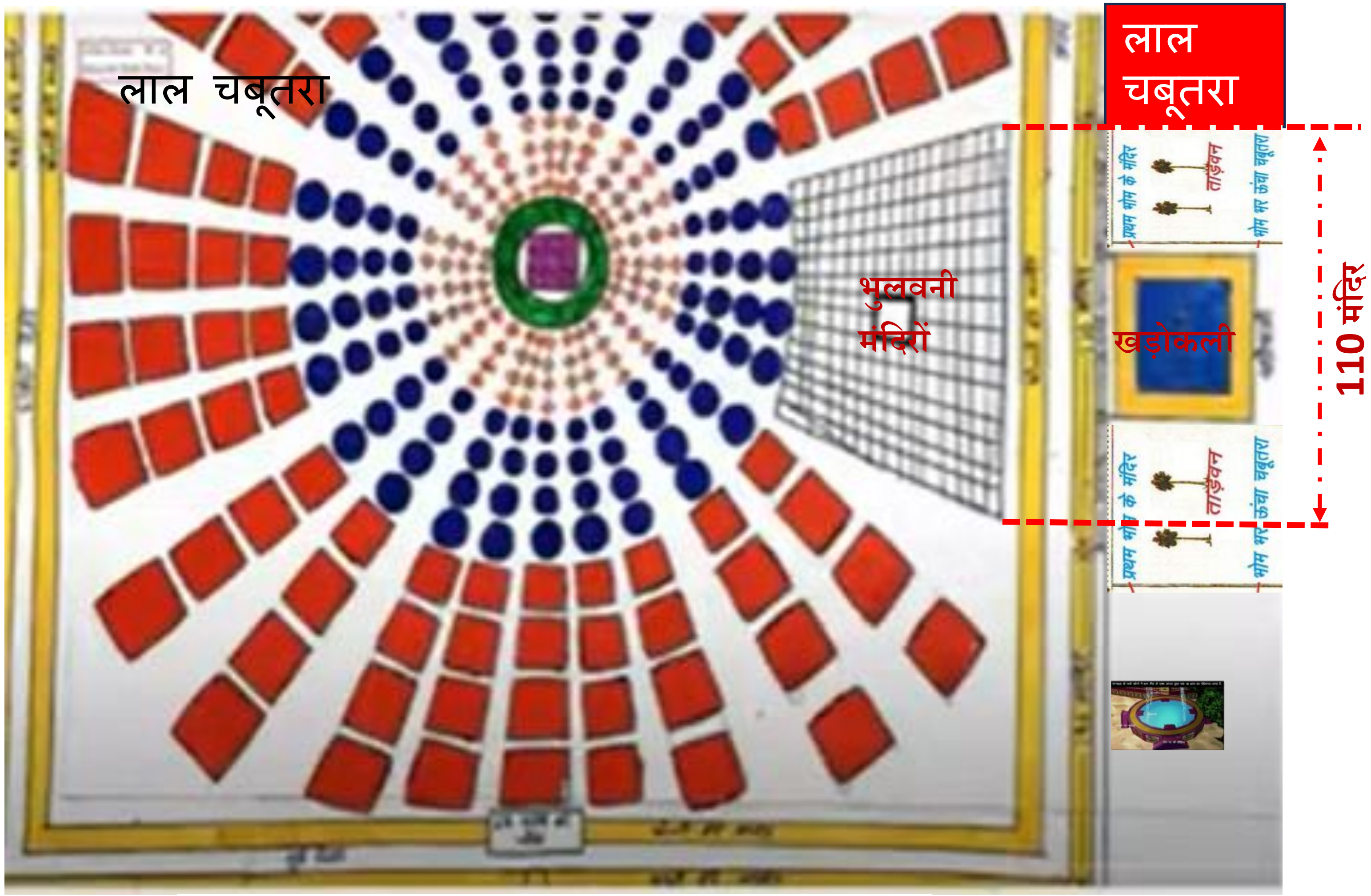

कही कमी सोले भुलवनी की, भोम दूसरी की होइ ।
बाकी आठ हज़ार, और तीन सौ कही सोइ ।।२०।।

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

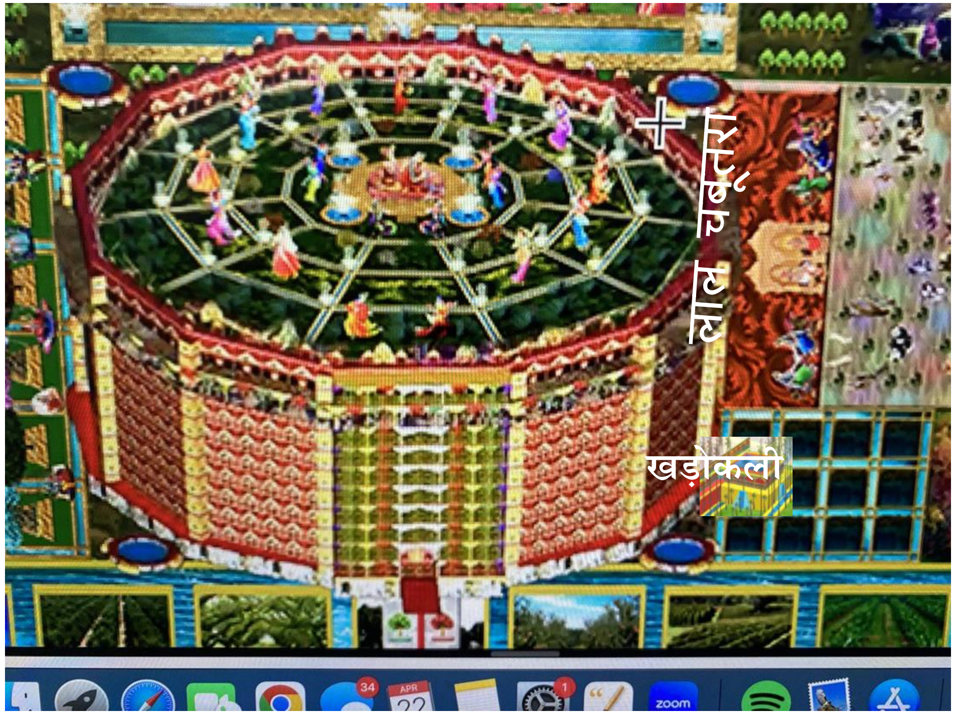

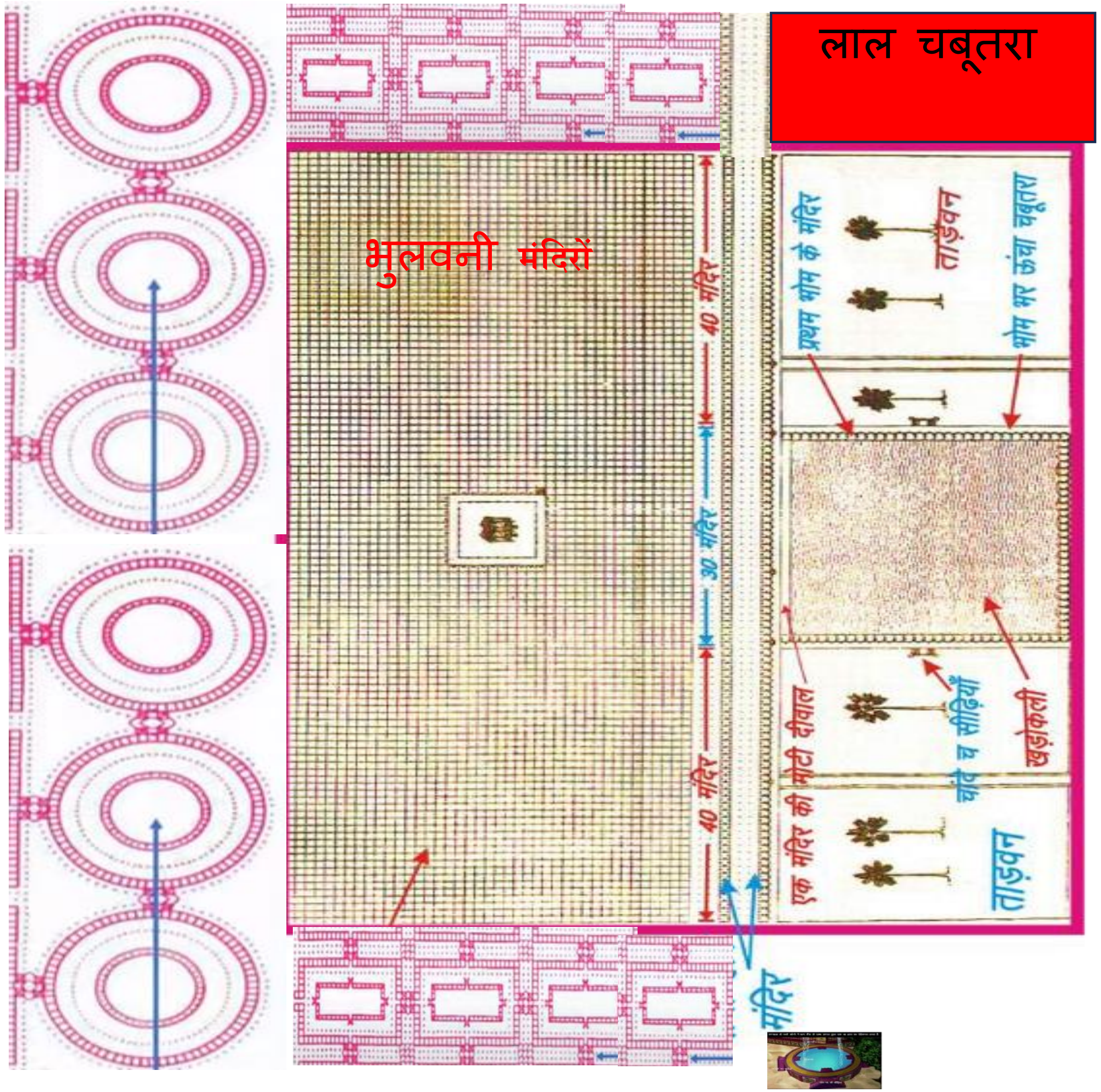

महामत कहे ए मोमिनों, करो सुख अपने याद ।
आओ भुलवनी मंदिरों, देख अपनी बुनियाद ॥५३॥

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

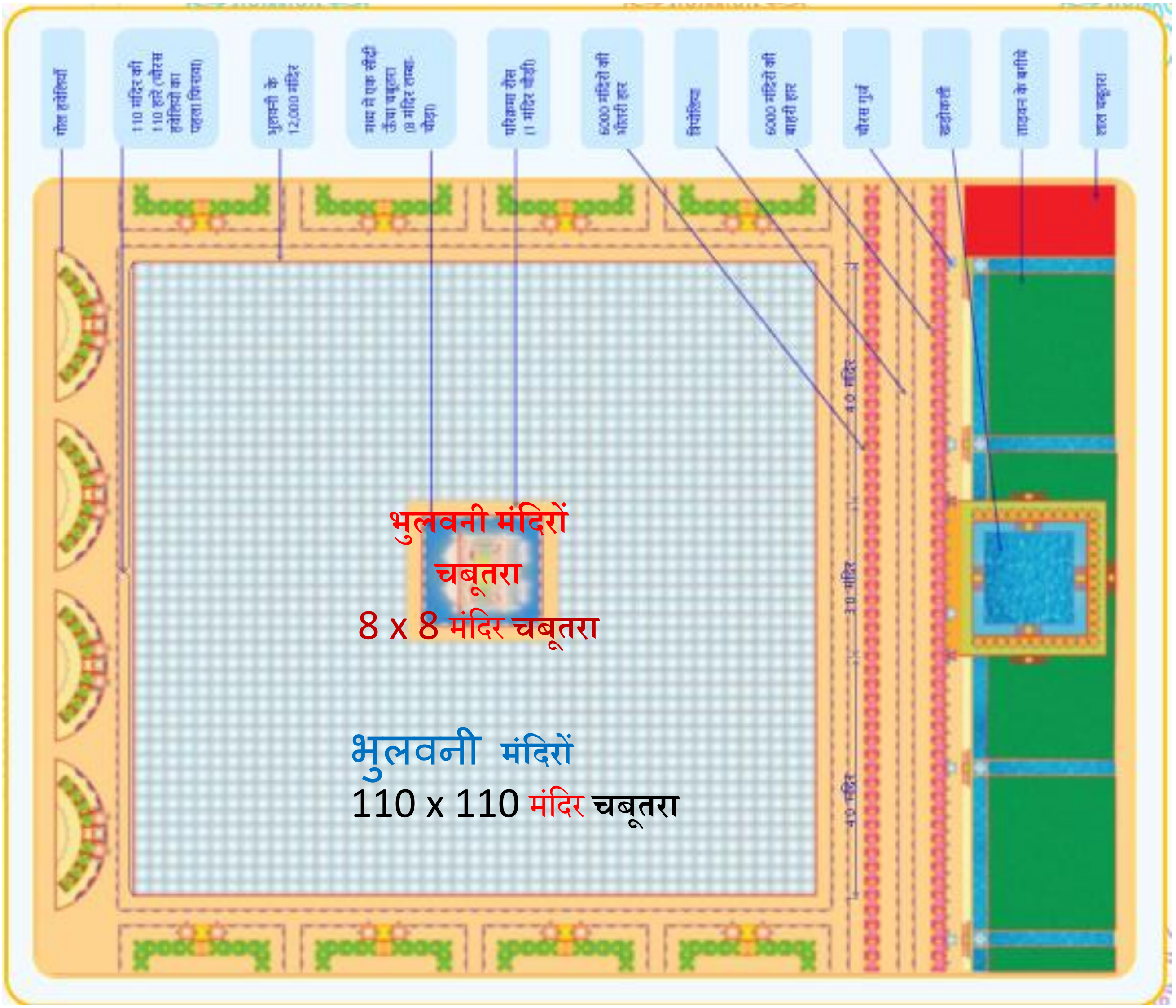

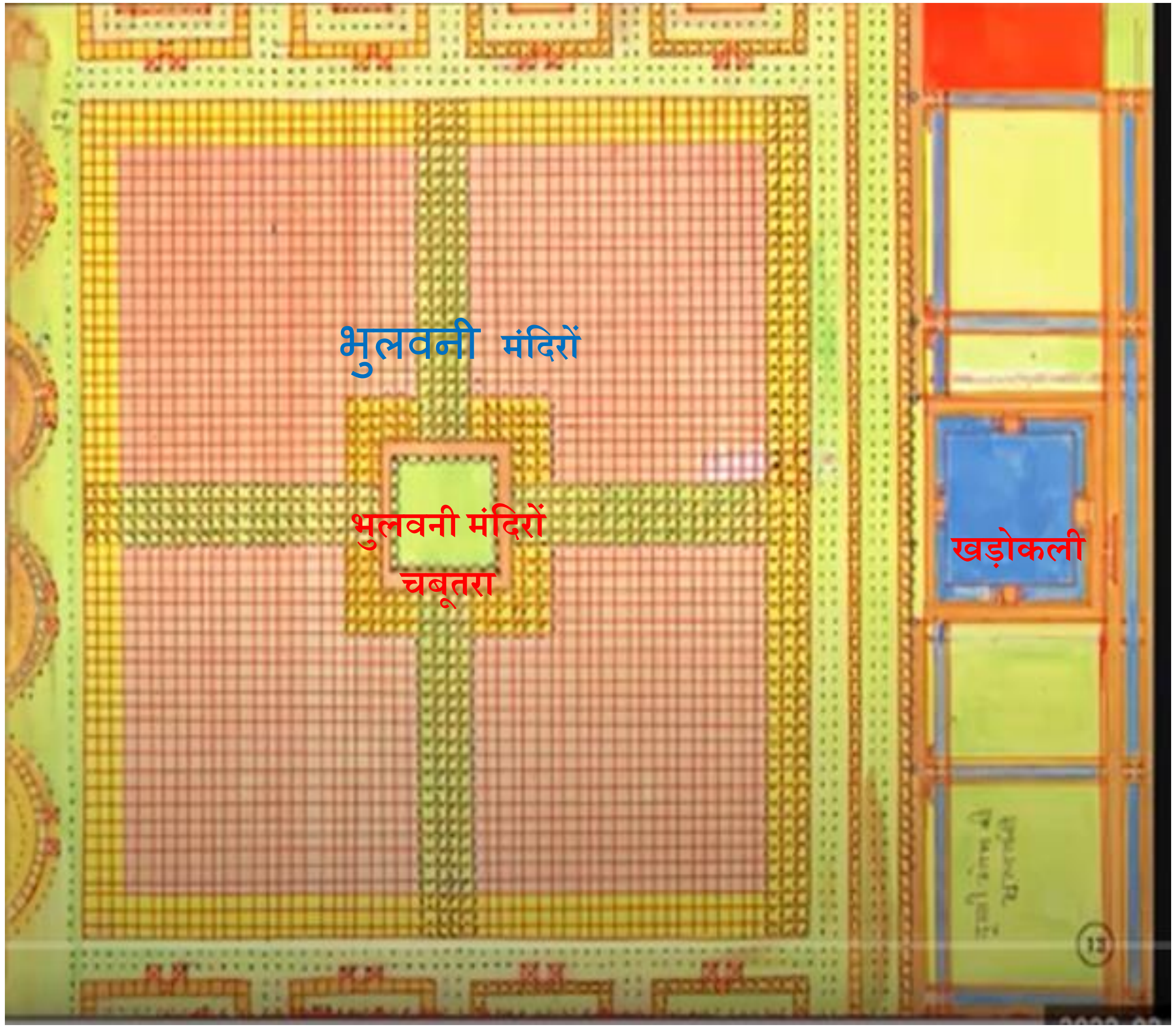

चौक खड़े जब देखिए, चारों तरफो दस दस हार ।
पचास पचास मंदिर की, सब साम सामी पड़े द्वार ।।४५।।

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

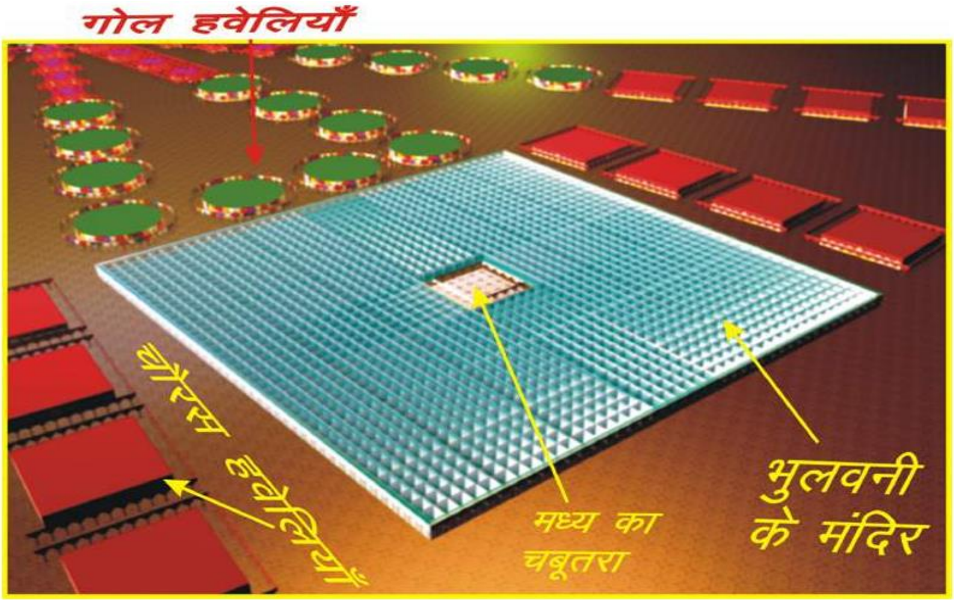

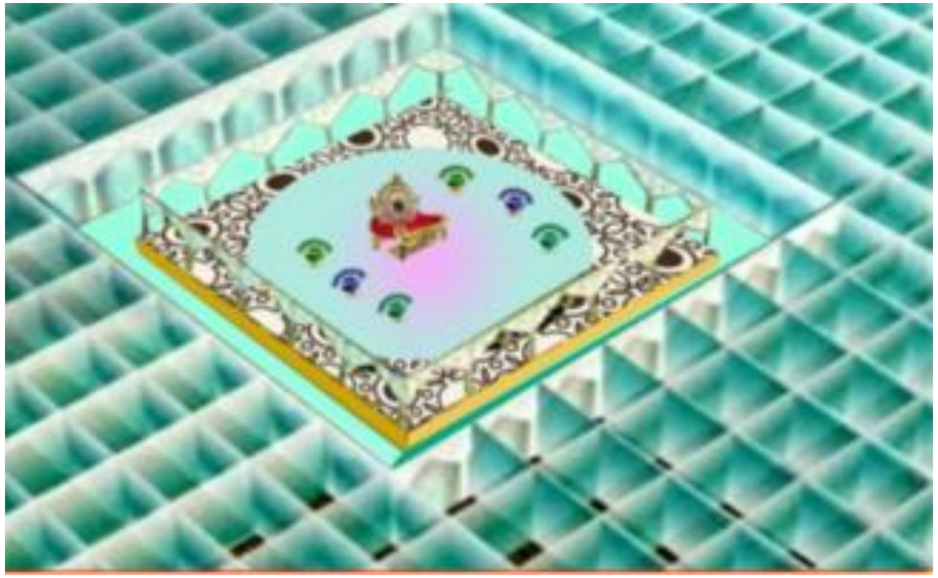

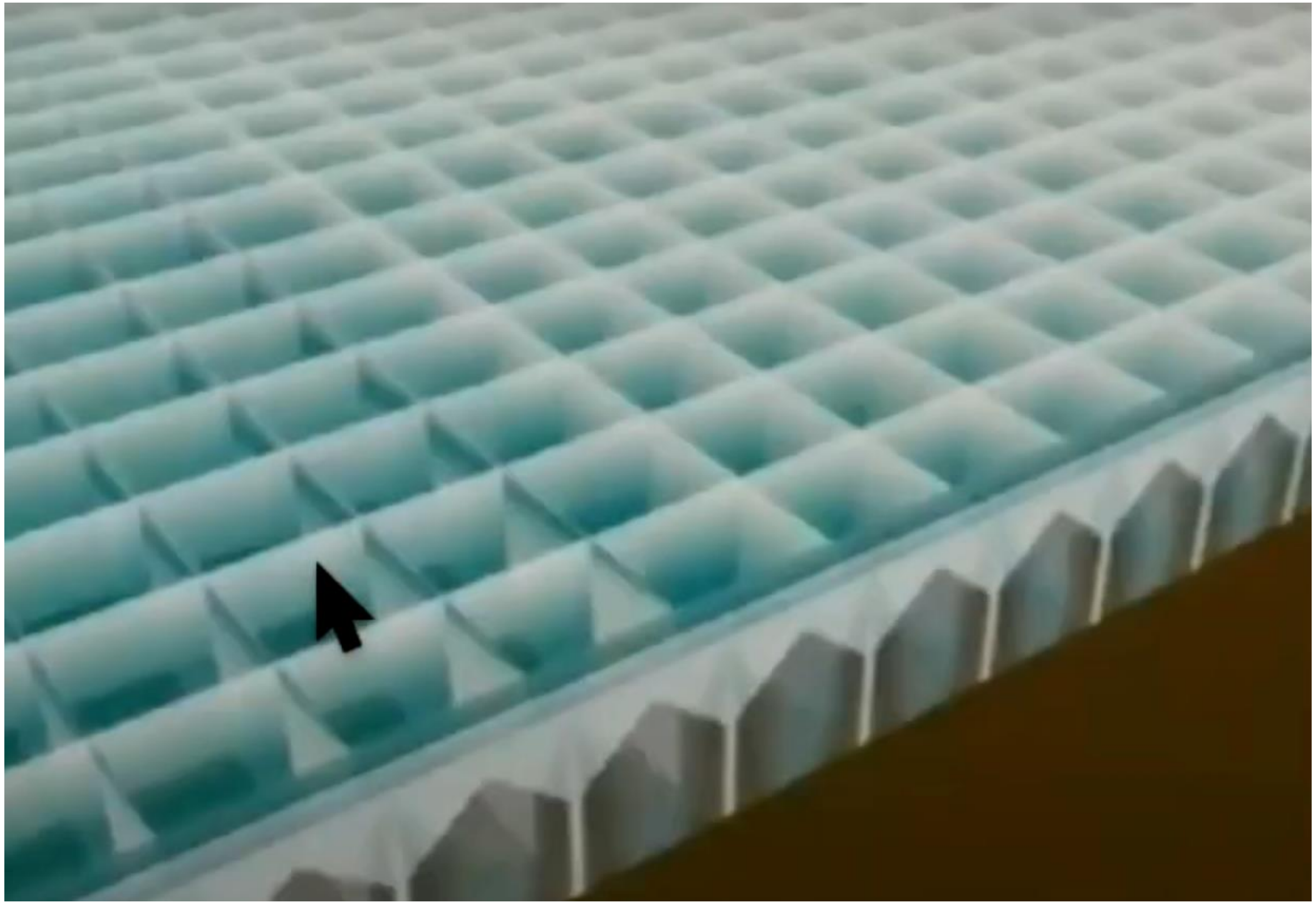

चौक खड़े जब देखिए, चारों तरफो दस दस हार ।
पचास पचास मंदिर की, सब साम सामी पड़े द्वार ॥४५॥

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

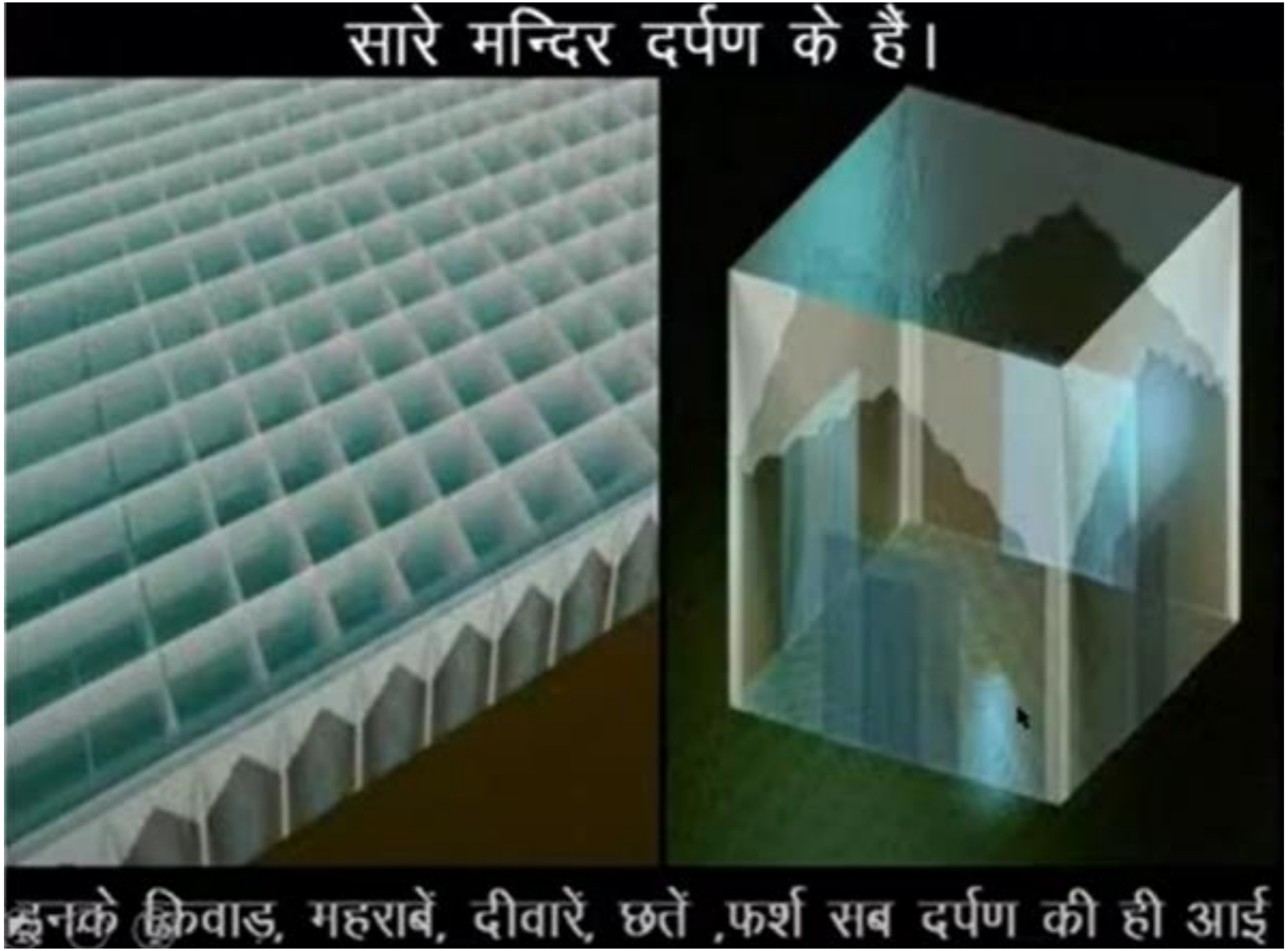

ए थम्भ दिवाल चबूतरे, सब जोत जवेर नूर ।
तिन की रोशनी इन जुबां, सो क्यों कर कहूं ज़हूर ।।५०।।

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों लीला

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

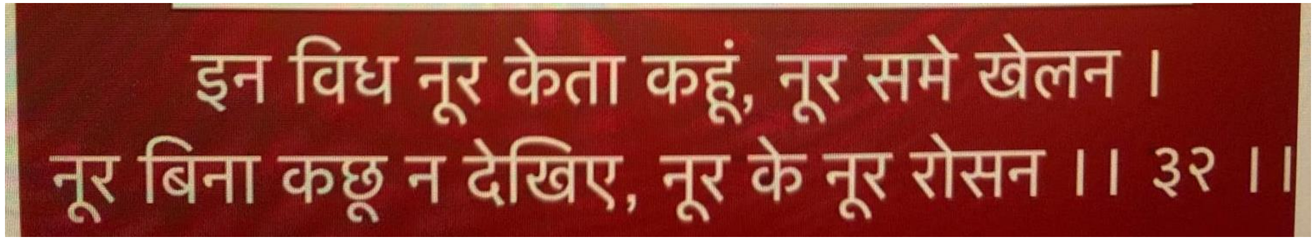

रंगमहल दुसरी भोम - भुलवनी मंदिरों चबूतरा

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

इन चबूतरे ऊपर, कहे थम्भ बत्तीस ।
आठ आठ की हार भर, ए पाइए मोमिन से बकसीस ।।४०।।

ए बत्तीस मेहेराब थम्भन के, ताके कहे बत्तीस द्वार ।
मध्य चबूतरे सिंघासन, गृद सब रूहें बैठनहार ।।४१।।

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

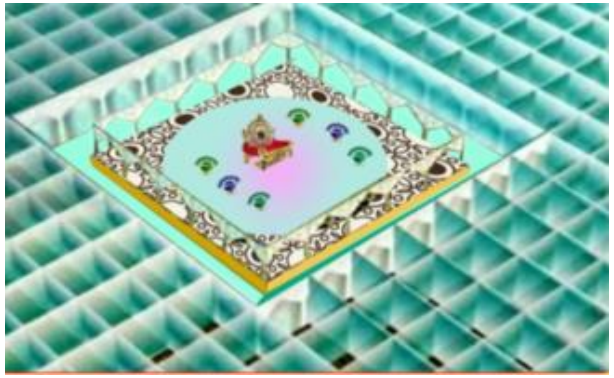

सरूप जुगल सिंघासन पर, बैठत हैं इत जब ।
सब रूहें खेले भुलवनी, आए ठौर पावे इत सब ।।४२।।

नूर सरूप सब नूर के, ले नूर दौड़ें बारे हजार ।
बारे हजार नूर मंदिरों, नूर झलकारों झलकार ।।

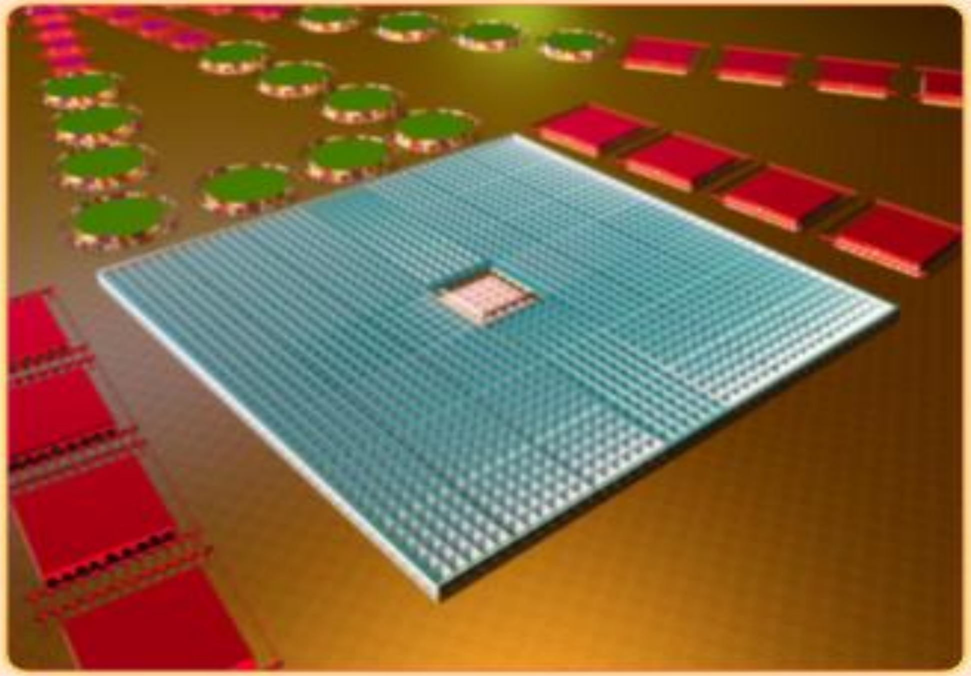

इन ठौर खेल रूह के, बोहोत भई भुलवन ।
होत हाँसी इत खेलते, रंग रस बढ़त रूहन ।।

भूलवनी की रामत :– इन भूलवनी के मन्दिरों में जब खेलने की इच्छा होती है, तब श्री राजश्यामा जी तथा हम सब सखियां इस भूलवनी के मन्दिरों में खेलते हैं। ये मन्दिर सफेद रंग दर्पण के आए हैं। एक मन्दिर में खडे हो जाईए तो हजारों प्रतिबिम्ब दिखाई देते हैं। असल स्वरूप कौन है यह पहचान नहीं हो पाती है। जब एक सखी एक मन्दिर से निकलकर दूसरे मन्दिरों में भागती है तब अनेक सखी भागती हुई दिखाई देती हैं। तब पकडना अति मुश्किल हो जाता हैं। क्योंकि सखियों के अनेक प्रतिबिम्ब मन्दिरों पर पडते हैं। यदि कोई सखी अचानक पकडी जावें तो दूसरी सखियां सब हंसती हैं। इस प्रकार के अनेकों खेल होते हैं।

मध्य के चबूतरा पर सिनगार :– झीलना करके भूलवनी के मध्य भाग में जो 64 मन्दिर का चबूतरा है, जिसके मध्य में सिंहासन है। सिंहासन पर श्री राजश्यामा जी बैठते हैं। झीलना करके पहले आठ सखियां वस्त्र पहन कर श्री राजश्यामा जी को वस्त्र पहना कर तथा सिनगार कराके अपना सिनगार करती हैं। बाकी सब सखियां एक दूजी को सिनगार कराती हैं। श्री राजश्यामा जी के चारों तरफ बैठ कर बातें करती हैं। कभी कभी झीलना करके खेलती हैं। यह अपनी इच्छा के ऊपर है। बाकी सब दूसरी भोम पहली भोम के समान आई है।

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

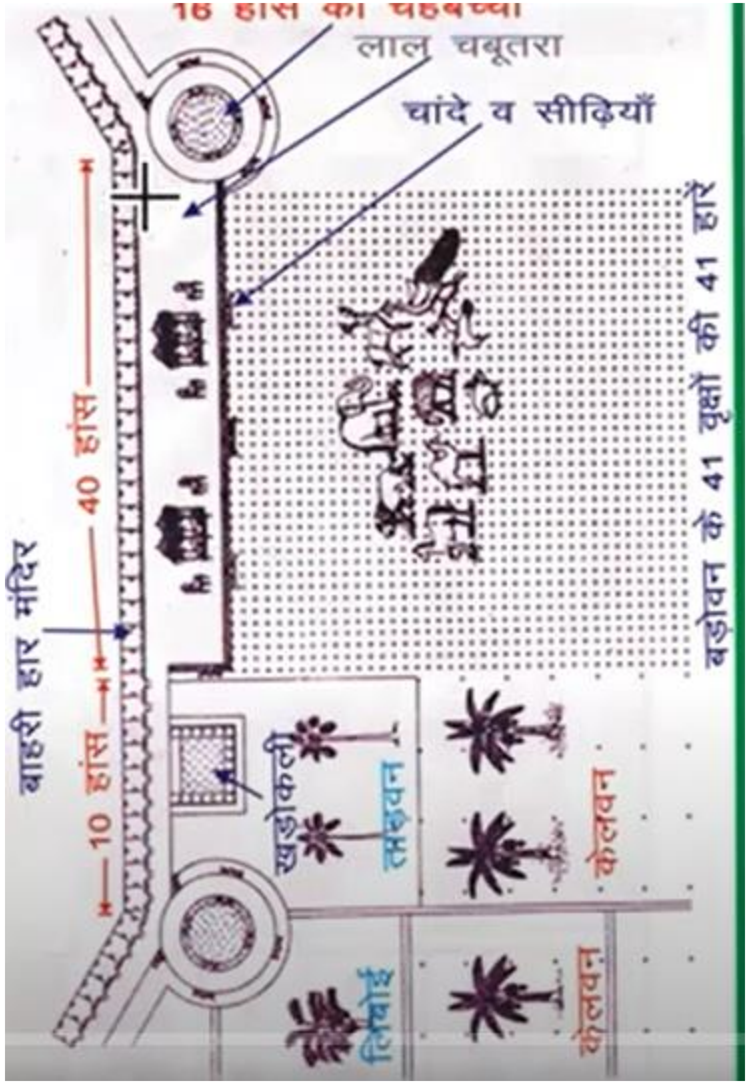

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

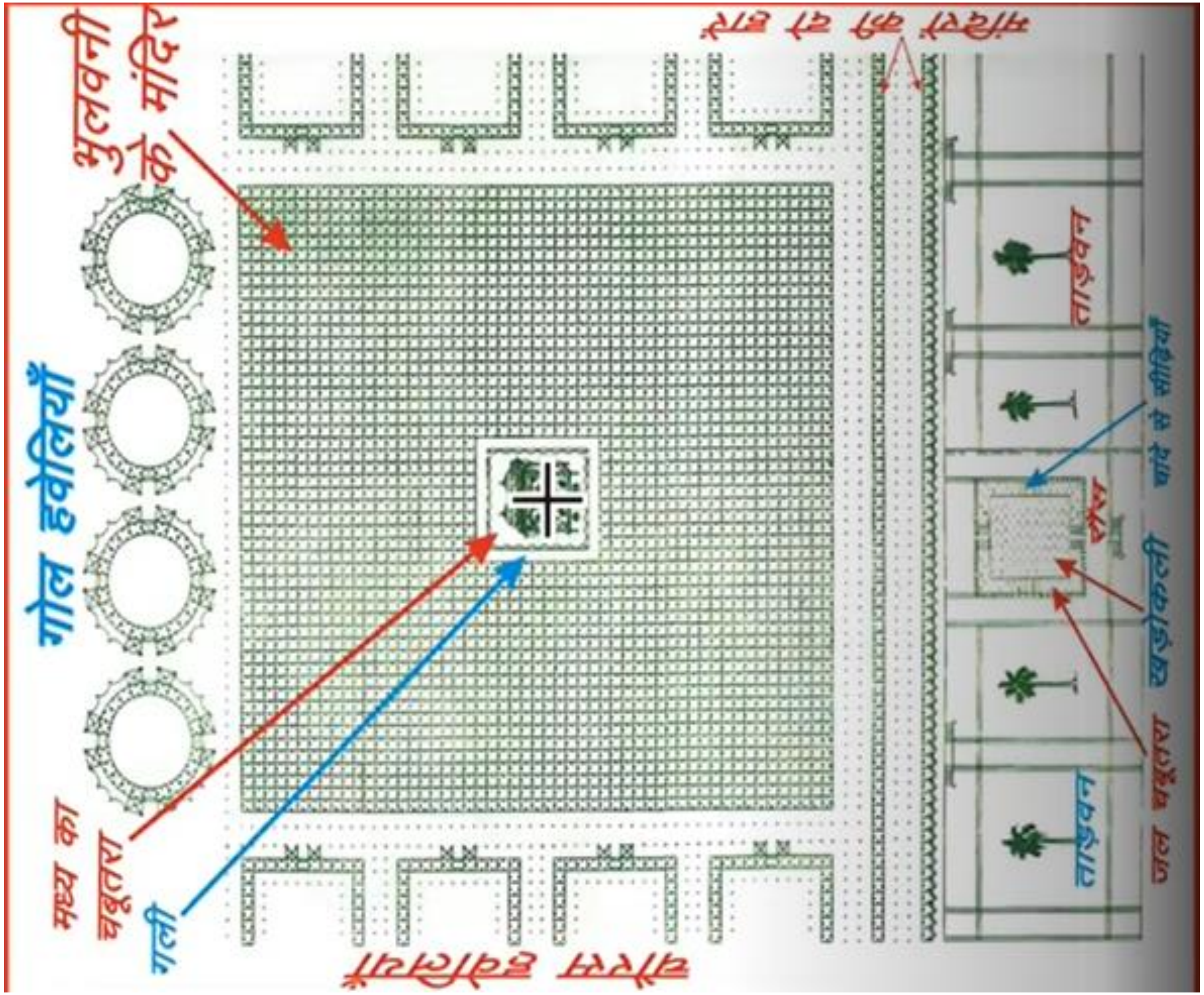

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

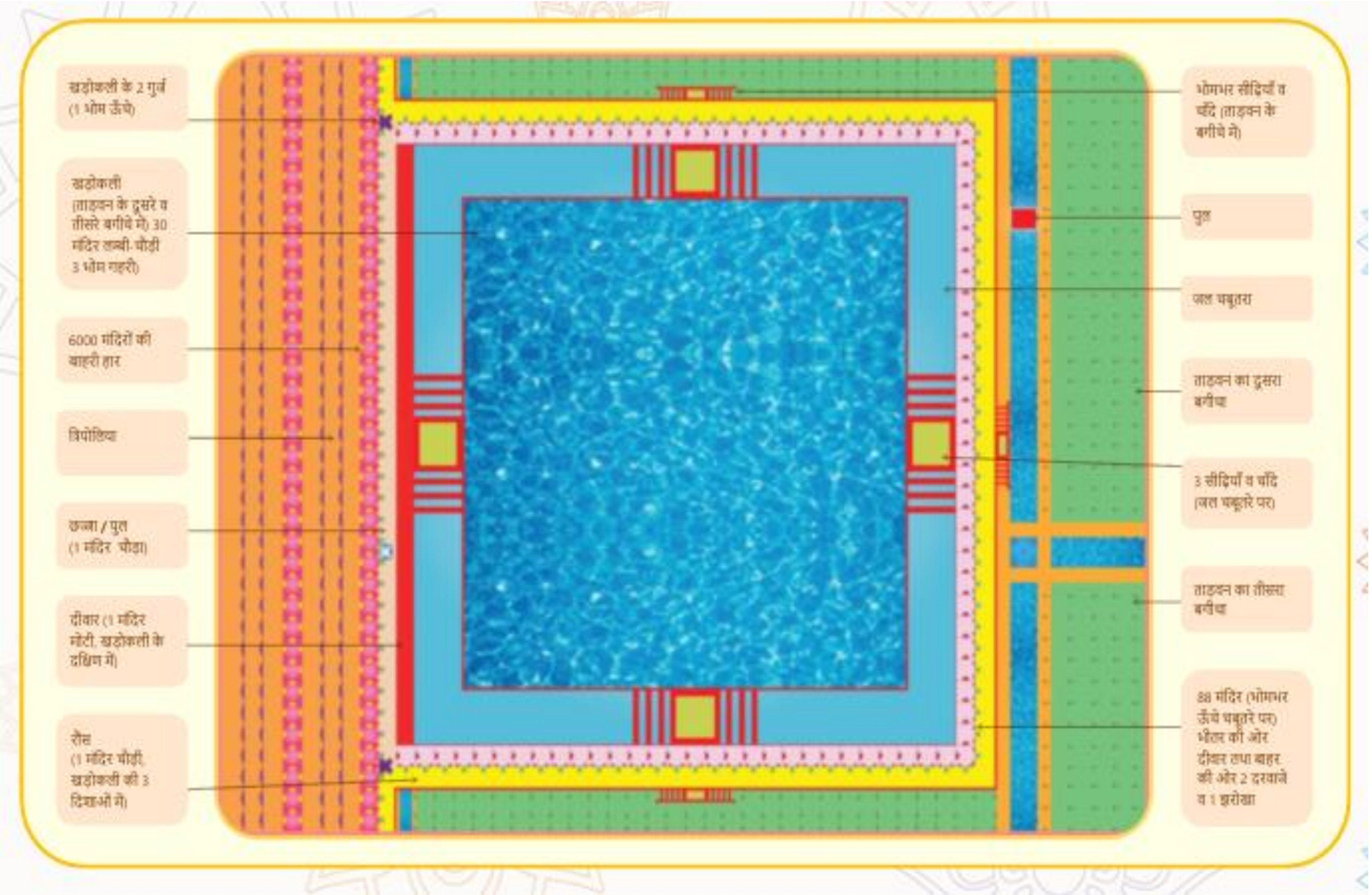

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

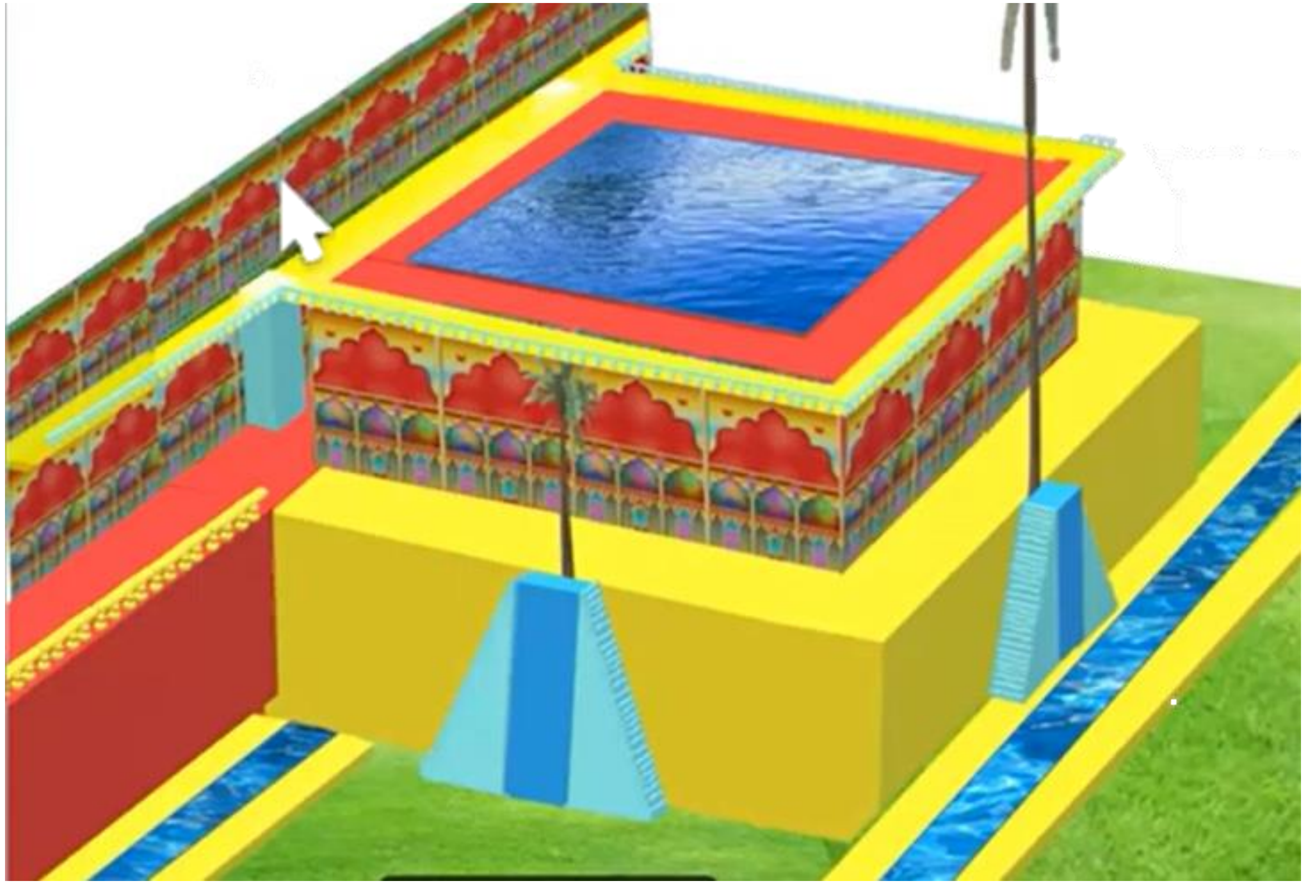

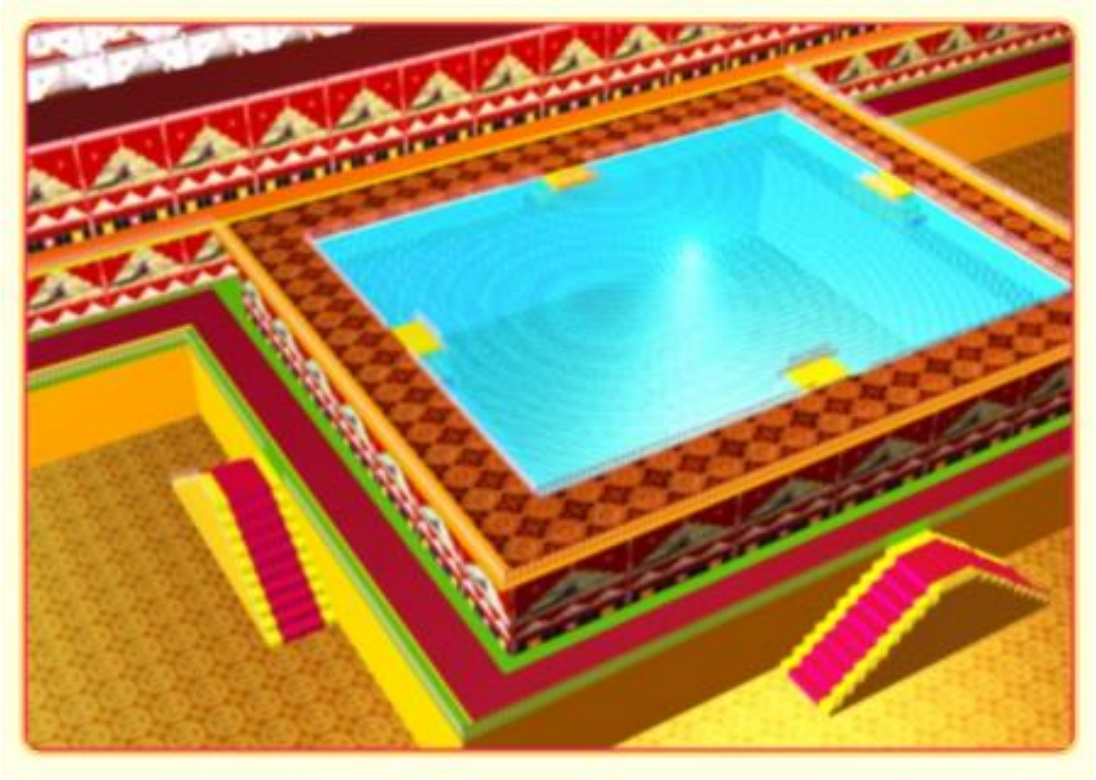

इत खड़ोकली जल हिलोले , धनी साथ झीलें झकोलें।
इत सिनगार करके खेलें , ठौर जुदे–जुदे जुत्थ मिले ।। परि. 3/76

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

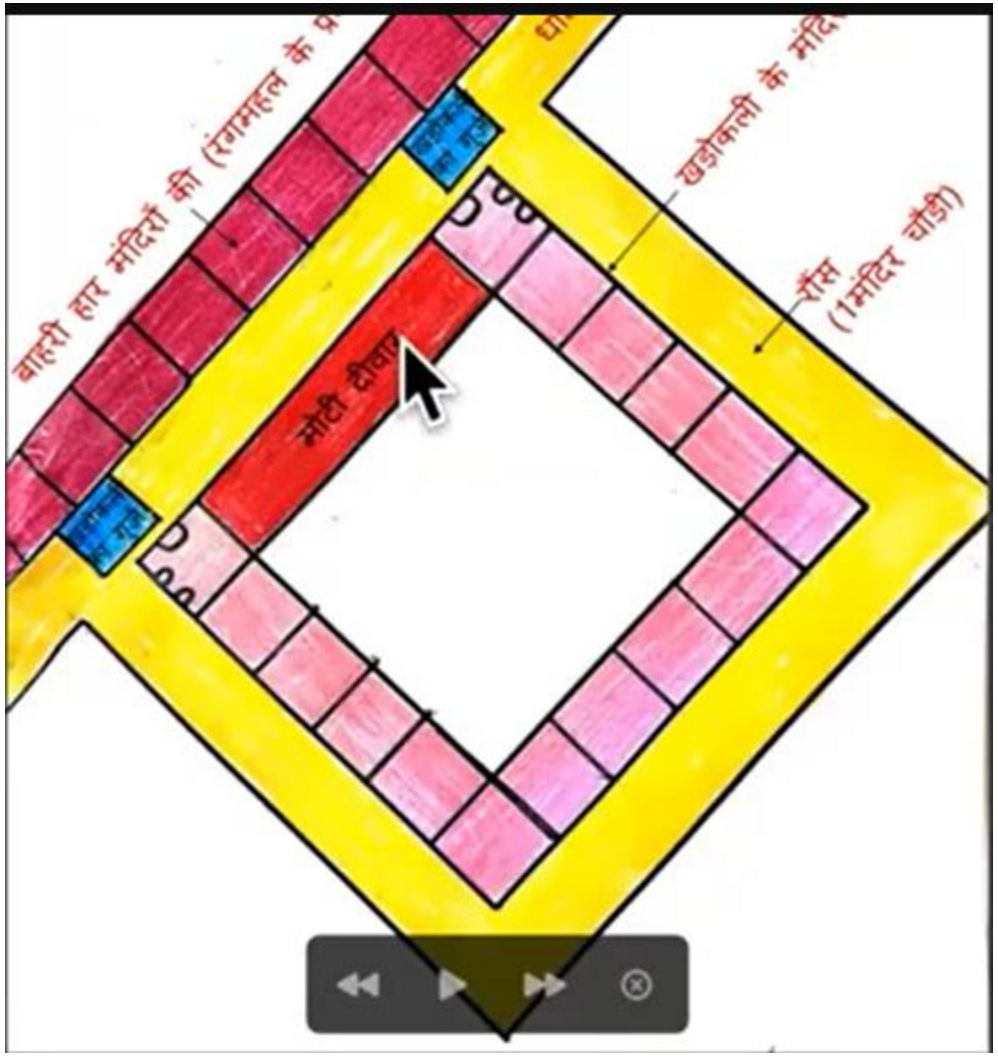

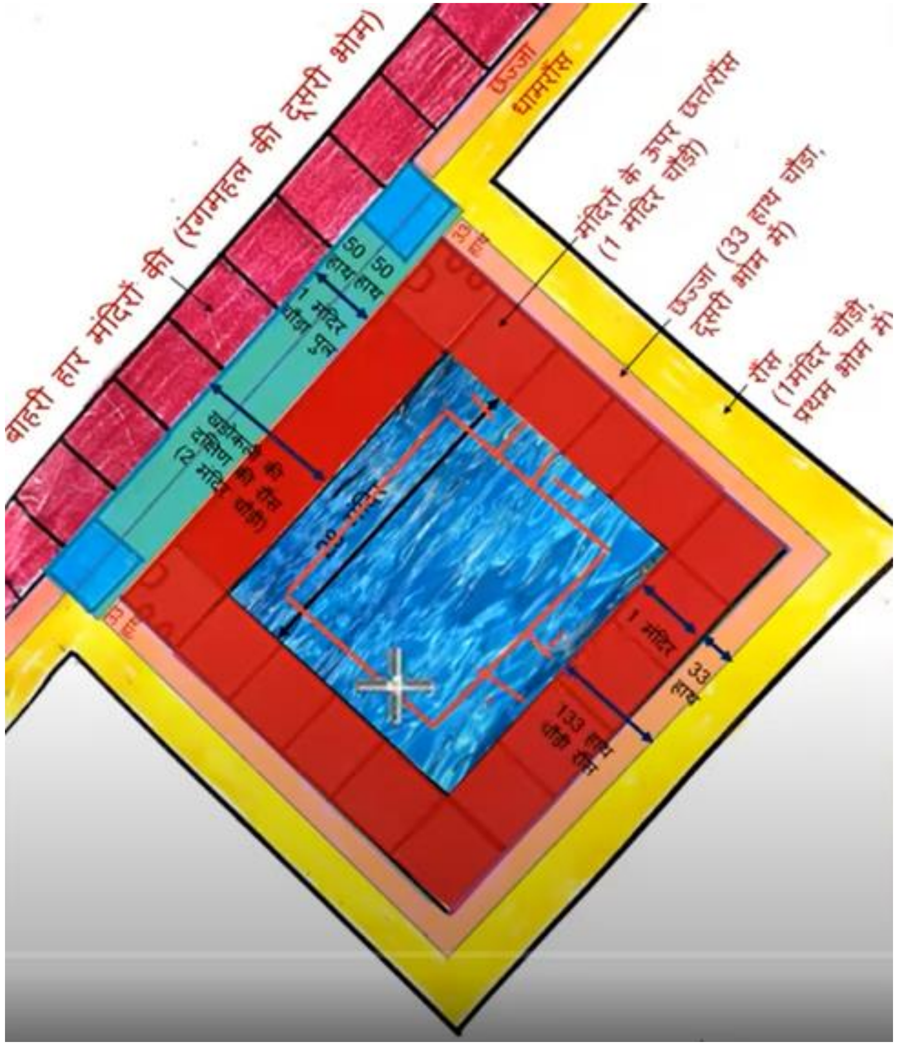

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

रंगमहल दुसरी भोम – खड़ोकली

विडिओ : https://youtu.be/iMIRfn6aSfQ?si=7FgWjM8LmK9BStJC

जल चबूतरा तथा चांदे :– खडोकली की चारों तरफ की रौंस के बीच में 28 मन्दिर का लम्बा–चौडा चेहबच्चा जल का आया है। चेहबच्चा के चारों तरफ एक जल चबूतरा आया है जिस पर कमर भर जल आया है। इसी जल चबूतरे पर चारों दिशा में आध–आध मन्दिर के चौडे एक मन्दिर के लम्बे चबूतरे उठ कर रौंस के साथ लगे हैं। इस चबूतरे (चांदे) से दोनों तरफ कमर भर की सीढियां उतरी हैं। चांदों पर सामने कठेडा लगा है। सीढियों को छोड कर चारों तरफों कठेडा आया है।

खडोकली में झीलना :– अनेक प्रकार के खेल तमाशे करके झीलना करने के वास्ते सखियां खडोकली के तरफ आती हैं। **भूलवनी के मन्दिरों से चलकर बाहर 8 मन्दिर निकल कर एक सीढी नीचे उतर कर दो मन्दिर की चौडी रौंस पार कर चांदे से तीन सीढियां उतर कर जल चबूतरा पर खूब जलक्रीडा करती हैं। झीलना करके मध्य का चबूतरा जो भूलवनी का है उस पर आती हैं।

****चौपाई:– कै चौखुटे चबूतरे , मन्दिर आठों हार ।**
चली चार गलियां चौक थे, हार आठ थम्भ गली बार ।।14।।
परिक्रमा प्रकरण 38

भूलवनी के 12,000 मन्दिरों के मध्य में 100 मन्दिर का चौक आया है। यह चौपाई हमें ये दर्शाती है कि जब मध्य के चबूतरे से सखियों को खडोकली में झीलना करने जाना हो तो चारों दिशाओं में त्रिपोलिया बन जाते हैं। "चली चार गलियां चौक थे", एक दिशा में दो थम्भों की हारें और तीन गलियां तो चारों दिशा में 8 थम्भों की हारें और 12 गलियां बनती है।

Sahoor

OR

Quiz